

(ख) वस्त्रों के नष्ट होने में योगदान देने वाले विभिन्न कारकों की पहचान करें और उनकी चर्चा करें, यह समझाते हुए कि प्रत्येक कारक वस्त्र की स्थिति और स्थायित्व को कैसे प्रभावित करता है।

[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 5512

J

Unique Paper Code : 2202013601

Name of the Paper : Traditional Indian Textiles
(DSC) NEP-UGCF

Name of the Course : B.Sc. (Hons.) Home Science

Semester : VI

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt **any six** questions.
3. **All** questions carry equal marks
4. Answers may be written either in **English or in Hindi**, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. किन्हीं छह प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. सभी प्रश्न के अंक समान हैं।
4. इस प्रश्न पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. Write short notes on any three of the following:
(5×3 = 15)

- (a) Traditional articles of Kantha embroidery
- (b) Stitches and motifs of Kasuti
- (c) Technique of Ajrakh Printing
- (d) Bandhini Designs

- (b) Provide a concise overview of Orissa Bandhas, highlighting its unique characteristics, production process, and cultural significance. (7)

(क) कांजीवरम साड़ियों का विस्तृत अवलोकन दीजिए।

(ख) उड़ीसा बांधा का संक्षिप्त अवलोकन प्रदान करें, इसकी विशिष्ट विशेषताओं, उत्पादन प्रक्रिया और सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालें।

7. (a) Outline the best practices for storing costumes in museums, highlighting key techniques for preserving their integrity and longevity. (5)

(b) Identify and discuss the various factors that contribute to the deterioration of textiles, explaining how each factor impacts the fabric's condition and durability. (10)

(क) संग्रहालयों में पोशाकों को संग्रहीत करने के सर्वोत्तम तरीकों की रूपरेखा तैयार करें, उनकी अखंडता और दीर्घायु को बनाए रखने के लिए प्रमुख तकनीकों पर प्रकाश डालें।

5. (a) Discuss the contributions of various organizations in preserving and promoting textile crafts, citing specific examples of their initiatives and impact.

(8)

- (b) Provide an overview of the Handloom sector in India, highlighting its significance, current status, and challenges.

(7)

- (क) वस्त्र शिल्प के संरक्षण और संवर्धन में विभिन्न संगठनों के योगदान पर चर्चा करें, उनकी पहल और प्रभाव के विशिष्ट उदाहरण दें।

- (ख) भारत में हथकरघा क्षेत्र का अवलोकन प्रदान करें, इसके महत्व, वर्तमान स्थिति और चुनौतियों पर प्रकाश डालें।

6. (a) Give a comprehensive overview of Kanjeevaram Sarees.

(8)

- (e) Brocade Motifs

निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें:

- (क) कांथा कढ़ाई की पारंपरिक उत्पाद

- (ख) कसूती के टांके और मोटिफ्स

- (ग) अजरंख छपाई की तकनीक

- (घ) बाधिनी डिजाइन

- (ङ) ब्रोकेड मोटिफ्स

2. (a) Compare and contrast the Kalamkari traditions of Masulipatnam and Srikalahasti, highlighting their distinct techniques and characteristic products.

(10)

5512

4

(b) Describe the step-by-step process involved in creating Kani Shawls, a traditional craft of Kashmir. (5)

(क) मछलीपट्टनम और श्रीकलाहस्ती की कलमकारी परंपराओं की तुलना करें और उनके विशिष्ट तकनीकों और विशिष्ट उत्पाद पर प्रकाश डालें।

(ख) कश्मीर के पारंपरिक शिल्प, कानी शॉल बनाने में शामिल चरण-दर-चरण प्रक्रिया का वर्णन करें।

3. (a) Describe the cultural and symbolic importance of any five traditional Phulkari Baghs, highlighting their significance in Punjabi heritage. (2×5=10)

(b) Write a short note on Kutch embroidery. (5)

(क) पंजाबी विरासत में उनके महत्व पर प्रकाश डालते हुए, किन्हीं पाँच पारंपरिक फुलकारी बागों के सांस्कृतिक और प्रतीकात्मक महत्व का वर्णन करें।

5512

5

(ख) कच्छ कढ़ाई पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

4. Describe and illustrate any one of the following traditional textiles, exploring its historical context, production methods, design elements, characteristic color palettes and products.

(a) Baluchari

(b) Jamdani (15)

निम्नलिखित पारंपरिक वस्त्रों में से किसी एक का वर्णन और चित्रण करें, इसके ऐतिहासिक संदर्भ, उत्पादन विधियों, डिजाइन तत्वों, विशिष्ट रंग और उत्पादों के द्वारा।

(क) बालूचरी

(ख) जामदानी

P.T.O.